

मृदा स्वास्थ्य के महत्व

अंकित तिवारी¹ जगन्नाथ पाठक² एवं शिवम सिंह³

¹सस्य विज्ञान विभाग, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ -250 110
उत्तर प्रदेश, भारत

²मृदा विज्ञान विभाग, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ-250 110, उत्तर प्रदेश, भारत

³मृदा विज्ञान विभाग, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा-210 001, उत्तर प्रदेश, भारत
ईमेल: ankit.tiwari12130@gmail.com

मृदा हमारे प्राकृतिक पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण भाग है जो हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मृदा स्वास्थ्य, जिसे किसानों और बागवानों के लिए बहुत अध्ययन में लिया जाता है, न केवल उनकी आजीविका को सुनिश्चित करता है, बल्कि यह समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस लेख में हम मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा करेंगे और ध्यान न रखना हमारे समुदाय को कैसे नुकसान पहुंचा सकता है।

परिचय

मृदा हमारे पर्यावरण का आधारभूत हिस्सा है, जो न केवल पौधों की वृद्धि में सहायक है, बल्कि मानव जीवन और खाद्य सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। मृदा स्वास्थ्य का संरक्षण हमारे कृषि, जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। यदि मृदा की गुणवत्ता पर ध्यान न दिया जाए, तो यह न केवल किसानों की आजीविका, बल्कि पूरे समाज के लिए संकट का कारण बन सकता है। इसलिए, मृदा स्वास्थ्य का महत्व समझना और उसके संरक्षण के उपाय अपनाना आज की आवश्यकता है।

मृदा का महत्व

- **उर्वरक समृद्धि** : मृदा या भूमि, उर्वरकों का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। सही मात्रा में उर्वरकों से भरपूर मृदा, पौधों को सही रूप से पोषित करने में मदद करता है, जिससे उनकी सुजीवता और विकास में सुधार होता है।
- **जल संवर्धन** : स्वस्थ मृदा न केवल उर्वरक प्रदान करता है, बल्कि यह भी जल संवर्धन में मदद करता है। अच्छी मृदा स्वास्थ्य से, जल स्तर में सुधार होता है और पानी की बचत होती है।
- **जैव विविधता का संरक्षण** : स्वस्थ मृदा जैव विविधता की रक्षा करता है और विभिन्न प्रजातियों को सही मात्रा में ऊर्जा प्रदान करता है। यह वनजीवों, पौधों और कीट-प्रजातियों के लिए एक सुरक्षित आवास प्रदान करता है और उनकी संरक्षण में मदद करता है।
- **खाद्य सुरक्षा** : मृदा स्वास्थ्य का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा से होता है। यह उच्च गुणवत्ता वाले फल, सब्जियां और अन्य खाद्यान्न पैदा करने में मदद करता है, जिससे समुदाय को पूरे वर्ष में पौष्टिक आहार प्राप्त होता है।
- **प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा** : स्वस्थ मृदा समुद्र तटीय क्षेत्रों में तथा अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में जल प्रबंधन में सहायक हो सकता है। यह जल संचरण में सुधार करके जल प्रवाह को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है और प्राकृतिक आपदाओं से बचाव कर सकता है।
- **सांविदानिक रूप से सही उपयोग** : मृदा स्वास्थ्य का सांविदानिक रूप से उपयोग करना महत्वपूर्ण है। अजीव और जीवनीय तत्वों का संतुलन बनाए रखने के लिए सही तकनीकियों का उपयोग करना और जैव विविधता को सुरक्षित रखना हमारे भविष्य के लिए आवश्यक है।

मुद्दे और चुनौतियां :

- **उर्वरक संतुलन** : अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग करना मृदा स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है और जलवायु परिवर्तन को बढ़ा सकता है। इसलिए, सुरक्षित और सुस्त उर्वरकों का उपयोग करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- **प्रदूषण का मुद्दा** : अत्यधिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग मृदा को प्रदूषित कर सकता है और जैव विविधता को कमजोर कर सकता है। इसलिए, उपयुक्त मात्रा में और सही तरीके से उपयोग करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- **जल संरक्षण** : अत्यधिक खेती और उपयोग के कारण मृदा जल संरक्षण में सहायक नहीं हो पा रहा है, जिससे जल संकट बढ़ सकता है। समुदायों को जल संरक्षण के प्रति सचेत बनाए रखना आवश्यक है।
- **संरचनात्मक बदलाव** : शहरीकृत क्षेत्रों में भूमि विकास और अनैतिक उपयोग के कारण मृदा स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। समुदायों को सांविदानिक और सुस्त बदलावों का समर्थन करना आवश्यक है।

निष्कर्ष

मृदा स्वास्थ्य का सही ध्यान न रखना हमारे समुदाय के लिए एक गंभीर समस्या बन सकता है। यह हमारे जीवन के सभी पहलुओं को सीधे रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। समुदायों को एकजुट होकर और सुस्त बदलावों का समर्थन करके ही हम मृदा स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य बना सकते हैं।